

संक्षिप्त

विद्यार्थियों को दिया कम्प्यूटर का प्रशिक्षण

बांसवाड़ा राडमावि सुरपुर के व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को ऑन-जॉब ट्रेनिंग के तहत संतोष कम्प्यूटर सेनावासा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत 1१वीं और 12वीं के विद्यार्थी शीतकालीन अवकाश में प्रशिक्षण के माध्यम से किताबी ज्ञान को कार्यक्षेत्र के वास्तविक अनुभव में बदल रहे हैं। विद्यार्थियों ने कंप्यूटर का प्रशिक्षण लिया एवं उन्हें कंप्यूटर पर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। आईटी प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यावसायिक शिक्षक वकुल यादव व जिज्ञासु देवे, संस्था के डायरेक्टर संतोष रावल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। शिक्षकों ने बताया कि शीतकालीन सत्र में आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है ताकि वे भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार हो सकें।

खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज़

बांसवाड़ा पथोक प्रजापति समाज संस्थान की ओर से 7वीं समाज स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ लीयो कॉलेज मैदान में उत्साह के साथ हुआ। अध्यक्षता कोदर लाल सज्जनगढ ने की जबकि मुख्य अतिथि सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर शंकर मावू तेली के नाम से ख्यात रितिक राठौर एवं विशिष्ट अतिथि लक्ष्मण चरपोटा, शंकर लाल, संस्थान के उपाध्यक्ष गौतम आंबापुरा, पराग सेमलिया, सचिव देवेन्द्र गाम्गडी, खेलमंत्री मुकेश सुरवानिया, मांगीलाल आंबापुरा, नरेश सज्जनगढ, प्रकाश भूगडा, कल्पेश कातरिया, राजेश तेजपुर, कल्पेश तेजपुर, ईश्वर तेजपुर रहे। अतिथियों का स्वागत तेजपुर के समाज बंधुओ ने साफा पहना और उपर्ण ओढ़ाकर किया। विभिन्न क्षेत्रों से आई समाज की टीमों को खेल मंत्री मुकेश सुरवानिया ने अनुशासन और खेल भावना की शपथ दिलाई। मुख्य वक्ता समाज अध्यक्ष केदारलाल सज्जनगढ ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है बल्कि यह समाज में एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। अतिथियों ने एक-एक बॉल खेलकर क्रिकेट प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। संचालन गणेश गाम्गडी ने किया जबकि आभार कल्पेश तेजपुर ने माना।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 155 ने कराई जांच

बांसवाड़ा वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर महाराज के 32वे समाधि दिवस के उपलक्ष में उपाध्याय विमलसंत सागर और नगर गौरव विमल सागर के आशीर्वाद एवं गुणिनी आर्थिका भरतेश्वरमति माता की प्रेरणा से लोहागया कस्बे के श्री दिगंबर जैन पार्षव मंडल एवं जीएससीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन केडीबी स्कूल परिसर में किया गया। जिसमें 1५5 लोगों की जांच एवं परामर्श उपरांत निःशुल्क दावा प्रदान की गयी। मंडल अध्यक्ष रोशन रज्जावत ने बताया कि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता के केडीबी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष सतीश कुमार नायक ने की जबकि मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य पवन रज्जावत एवं विशिष्ट अतिथि समाज के महामंत्री नलिन गनोडिया, डॉ. प्रिदेश जैन, डॉ. सुशील जैन, बहादुर सिंह चौहान और जीएसएस हॉस्पिटल के शिविर कोर्डिनेटर पार्थ सोलंकी रहे। शिविर में जनरल सर्जरी, कार्डियो, आर्थो और स्पाईन, ईएनटी विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दी। शिविर में विजयलाल रज्जावत, नेमी कुमार बोहरा, मनोष रज्जावत, अनिल नायक, जितेन्द्र नायक, मुकेश देवोत, दीपक कलावत, भूपेन्द्र बोहरा, रवींद्र राजावत, शुभम कलावत जिगनेश नायक सतीश मंडल सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर विमल नायक, बदामीलाल बोर्रा, पोपटलाल रज्जावत, नरेंद्र रज्जावत, प्रकाश बोहरा, राकेश कोठारी, निर्मल नायक, राकेश शर्मा, जयदीप नायक, प्रेमलाल नायक, कुसुम लता नरनावत, नीलम नरनावत सहित पार्षव मंडल, भरत युवा मंडल, पद्मावती महिला मंडल के सदस्य, समाजकार और ग्रामीण मौजूद रहे।

बैठक आज

बांसवाड़ा। डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान के आगामी 4 जनवरी को प्रांतीय कमेटी के चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक आज सोमवार प्रातः साढ़े दस बजे जिलाध्यक्ष कोदरलाल परमार की अध्यक्षता में उपाध्याय पार्क में होगी।

कुमावत समाज के महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब

- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के समक्ष रखी मूल ओबीसी के वर्गीकरण की मांग**
- साथ ही मेवाड क्षेत्र के सात जिलों में समाज के छात्रावास के लिए भूमि आवंटन का सौपा ज्ञापन**
- कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने की समारोह की अध्यक्षता**

लिए आवंटित करने, कुमावत समाज को मूल ओबीसी का वर्गीकरण कर अलग से आरक्षण देने की मांग की। कार्यक्रम संयोजक शंकरलाल कुमावत भी मंचासीन थे।

कुमावत समाज नहीं संस्कृति : राज्यपाल बागडे

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान कहा कि महाराणा कुम्भा द्वारा इस समाज का नामकरण किया गया। कुमावत समाज नहीं भारतीय शिल्प, स्थापत्य और निर्माण कला से जुड़ी संस्कृति का संवाहक है। उन्होंने

समाज की नई पीढ़ी को अपनी विरासत और कलाओं के से संरक्षण के लिए कार्य करने का आ न किया। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी तभी विकास करता है जब शिक्षा पर ध्यान दे। कुरीतियों और अंधविश्वास मुक्ति के लिए कार्य करें। उन्होंने मेवाड़ की संस्कृति में कुमावत समाज के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ के कीर्ति स्तंभ, कुंभलगढ़, हवामहल आदि का निर्माण इसी समाज के वास्तुविदों, शिल्पियों ने किया। उन्होंने समाज की

सामाजिक एकता, शिक्षा, संस्कार और सेवा कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि ऐसे महाकुंभ समाज को संगठित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आ न किया।

राजस्थान की जीडीपी में कुमावत समाज का अहम योगदान : मंत्री कुमावत कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की जीडीपी को मजबूत करने में कुमावत समाज का अहम योगदान है। यह समाज राष्ट्रभक्त और सनातन संस्कृति को मानने वाला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की कमी के कारण कुमावत समाज अपेक्षित उन्नति नहीं कर पाया है, इसलिए इस समाज के उत्थान की जरूरत है।

उदयपुर में 1 6 जनवरी को निकलेगी वाहन रैली

चेतना और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रयास होगा।

बैठक में विभाण प्रचारक धनराज, प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना तथा रामेश्वर आमेटा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही बैठक में गेहरीलाल शर्मा, डॉ. अनिल मेहता, दिनेश शर्मा, दीपक शर्मा, अशोक शर्मा, प्रफुल्ल श्रीमाली, भावप्रकाश श्रीमाली, भंवर सिंह राठीड, खुशीलाल सुथार, डॉ. नीरू श्रीमाली, डॉ. कपिल श्रीमाली सहित कई गणपन्था नागरिकों की सहभागिता रही।

बैठक में विराट हिन्दू सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए लगभग 1०0 सदस्यों की आयोजन समिति का गठन

पीयूषा शर्मा को प्रधानमंत्री फेलोशिप

उदयपुर । महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के अंतर्गत राजस्थान कृषि महाविद्यालय उदयपुर की (उद्यान विज्ञान)सक्वी विज्ञान विषय की शोधार्थी पीयूषा शर्मा का चयन भारत सरकार की प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री फेलोशिप फॉर डॉक्टोरल रिसर्च के लिए किया गया है।

यह फेलोशिप अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाती है, जो शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से संचालित प्रदान की जाएगी, जिसके अंतर्गत कुल 38 लाख रुपये की वित्तीय सहायता शोध कार्य हेतु उपलब्ध कराई जाएगी। इस फेलोशिप के माध्यम से पीयूषा शर्मा अपने शोध कार्य को और अधिक उन्नत रूप देने के साथ-साथ देश की उद्यानिकी एवं कृषि क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। विश्वविद्यालय ने इस उपलब्धि पर पीयूषा शर्मा को हार्दिक बधाई दी ।

सार-समाचार

सांवलियाजी के मंदिर में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने की पूजा

चित्तौड़गढ । पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रविवार को चित्तौड़गढ जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत प्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलिया सेठ मंदिर से की। मंदिर पहुंचने पर उन्होंने विधिवत दर्शन किए और भगवान के चरणों में माथा टेककर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में शांति और अनुशासन का माहौल रहा तथा श्रद्धालुओं में भी खास उत्साह देखने को मिला। मंत्री जोराराम कुमावत के मंदिर आगमन को देखते हुए प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारी द्वारा मंत्री श्री कुमावत का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। पुजारी ने उन्हें चरणाभूत और तुलसी का पत्ता दिया गया। इसके बाद उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक परंपराओं का विशेष ध्यान रखा गया और सभी रस्में सादगी के साथ निभाई गईं। इस दौरान देवस्थान मंत्री श्री कुमावत ने इन दिनों श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा-व्यवस्था माकूल रखने के भी निर्देश दिए। सुमेरपुर से सांवलिया जी पहुंचे मंत्री जोराराम मंत्री जोराराम कुमावत सुमेरपुर से सीधे सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे थे। उनके साथ समर्थक और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। मंत्री ने मंदिर में दर्शन के बाद कुछ समय रुककर मंदिर व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। दर्शन के बाद मंत्री जोराराम कुमावत मेवाड कुमावत समाज के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कांग्रेस का सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन

बांसवाड़ा केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ ब्लॉक कांठोस कमेटी सज्जनगढ ने धरना-प्रदर्शन किया। जनसभा में विधायक रमिला खडिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा में महात्मा गांधी का नाम हटा कर स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया है जिसकी कांठोस निंदा करती है। इसके अतिरिक्त जिले में किसानों को समय पर खाद की आपूर्ति ना होने, मनरेगा में मजदूरों को काम नहीं मिलने पर गरीब आदिवासी मजदूरों को रोजगार के लिए पलायन करने, स्मार्ट मीटर में अव्यवस्था, कानून व्यवस्था का बढहाली जैसे कई मुद्दों पर प्रदर्शन किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष एवं विधायक अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि शासन प्रशासन की अनदेखी और अव्यवस्था के चलते जिले में किसानों को खाद के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है सरकार ने मनरेगा के मानव दिवस कम करके दिहाड़ी मजदूरों को समय पर खाद अन्याय किया है जिसके परिणाम स्वरूप यहां के लोगों को दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है। मनरेगा में पहले के कामों का भुगतान नहीं हुआ है। स्मार्ट मीटर लगाने के सरकारी आदेश का लोग विरोध कर रहे हैं स्मार्ट मीटर के भारी भरकम बिल छोटे परिवारों पर बोझ बने हुए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को बढहाली के चलते चोरियों, हत्या, अपराधों का डाकू नीचे नहीं आ रहा है आम आदमी डर एवं दशहत में जीने को मजबूर है। आमजन की इन्हीं समस्याओं को देखते हुए सरकार को आईना दिखाने के लिए जिला कांठोस कमेटी प्रत्येक विधासभा क्षेत्र में धरना प्रदर्शन कर रही है। पार्टी प्रवक्ता एडवोकेट इमरान खान पटान ने बताया कि सभा के बाद सज्जनगढ ब्लॉक की तरफ से कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अर्जुन बामनिया का स्वागत किया। इसके पश्चात ज्ञापन दिया गया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष भरत मेरावत, मांगीलाल लवाना, पटवर्धन लवाना, शैलेंद्र भट्ट, नवाब फौजदार, बुरहान रतलामी, इमरान खान पटान, एडवोकेट केशवचंद्र निनामा, नीलेश मेरावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बाद में उपखंड अधिकारी को राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन देते हुए मनरेगा का नाम यथावत रखने, खाद की कमी दूर करने, स्मार्ट मीटर की अव्यवस्था दूर करने जैसी मांगे की गयी।

समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वावलंबी हो : विकासराज

बांसवाड़ा समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वावलंबी बने तभी हम विकसित भारत का सपना साकार कर पाएंगे। उक्त उद्गार विद्या निकेतन मंदारेश्वर में सहकार भारती की प्रेरणा से श्री राम बचन एवं सहकारी समिति लि. द्वारा आयोजित साधारण सभा में मुख्य वक्ता विकास राज ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सहकार भारती का मुख्य कार्य सहकारिता के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समृद्धि के लिए कार्य करना, देश की अर्थव्यवस्था को समृद्ध करना है। उन्होंने कहा कि सहकार का प्रत्येक व्यक्ति स्वावलंबी हो इसके लिए संगठन भाव से सेवा, समर्पण का सभी को संकल्प लेना होगा। मुख्य अतिथि सहकार भारती के प्रदेश संगठन प्रमुख प्रदीप चौबीसा ने कहा कि सहकार भारती के माध्यम से संस्कृति का रक्षण एवं स्वदेशी भाव जागृत करना है कुटीर उद्योग, स्न-सहायता समूह, क्रेडिट को- आर्परेटिव के माध्यम से सहकार भारती को सर्वस्पर्शी होकर समाज के सभी वर्गों का समावेश करना होगा। उन्होंने कहा कि भंडार के माध्यम से नाप-नप प्रकल्प खोलकर सस्ती वस्तु आम व्यक्ति को मिले इसके प्रयास हो। बड़ा रामद्वारा के संत रामप्रकाश महाराज ने कहा कि समाज का विवासा बढे ऐसे सहकारी क्षेत्र में काम हो आम व्यक्ति जुडे एवं सब लाभान्वित हो। विभाग संयोजक गोपाल पालीवाल ने सहकार भारती के उद्देश्य व कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि छोटी बचत से दुरगामी परिणाम मिलते हैं। आरम्भ में समिति के अध्यक्ष जयवं द्विवेदी ने प्रस्तावना रखी। नवनीत जोशी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान में 880 सदस्य सम्मिलित हैं और इस सत्र की साप्ताह की घोषणा करते हुए अनुमोदन पारित किया। जिलाध्यक्ष योशिश द्विवेदी व प्रदेश प्रकोष्ठ प्रमुख सत्यें सहायता समूह कुसुम जोशी मंचसनी रहे। संचालन भूदेव भट्ट ने किया जबकि आभार जितेंद्र नाथ ने माना। इस अवसर पर संघ के मनफूल सिंह, अशोक सुथार, बीजेपी के हकरू मईडा, रमेश ब्रजवासी, नरेंद्र दोसी, परमेश्वर भावसार, अमृत लाल आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रगान का सामूहिक गायन घनस्थायम जोशी ने कराया।

आदिवासी समाज चौकला भीमकुण्ड की बैठक में समाज हित में लिये निर्णय

बांसवाड़ा आदिवासी समाज चौकला भीमकुण्ड की बैठक रामकुण्ड धाम पर धुलाराम भांगोरा के मुख्य आतिथ्य तथा चौकाला अध्यक्ष गुलाब चरपोटा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज में व्याप्त कुरीतियों पर चर्चा कर आमराय से पाबंदी लगाने पर सहमति बनी। जिसमें डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, सगाई रस्म में सीमित संख्या, गहनों में 1० ठाम सोना व एक किलो चांदी, शादी व नोतरा कार्यक्रम दिन में करने, सादियों में पटाखे छोडने पर पाबंदी, शादी समारोह में शराब परीसेने पर पाबंदी, समाज के प्रत्येक परिवार को शिक्षा पर अधिक जोर देने, सामूहिक विवाह पर जोर, मूल्य होने पर कफ़न के रूप में कपडा लाने पर रोक एवं उसकी जगह नारियल, अगले वर्ष से शीतकालीन सत्र में समाज की खेलकुद प्रतियोगिताओ का आयोजन करने जैसे निर्णय लिये गये। इस दौरान विशाखापटनम में राज्य स्तरीय डौड में सम्मिलित होकर स्वर्ण पदक अर्जित कर राज्य, जिले व समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभा राजकुमारी गर्रासिया एवं उनके पिता का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। शिक्षाविद धुलाराम भांगोरा ने समाज में शिक्षा को अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। चौकला अध्यक्ष गुलाब चरपोटा ने बताया कि मध्यम वर्ग के किसानो को यूरिया खाद से हो रही परेशानी व कालाबाजारी को देखते हुए मंगलवार को जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर यूरिया खाद की आपूर्ति कवाने की मांग की जायेगी वही उन्होंने अरवलली खनन के संबंध में भी जानकारी दी। संचालन शिक्षाविद लालइंद्र गर्रासिया ने किया जबकि आभार शिक्षाविद ईश्वर कटारा ने माना। मीडिया प्रभारी हितेश गर्रासिया ने बताया कि बैठक में चाई पंच कुना देवा भाई, बापू लाल चरपोटा, रूपजी भाई, शांति लाल बामनिया, भगवती पटेल, शिक्षाविद कालुराम पटेल, बबला मेरावज, कैलाश गर्रासिया, उत्तरसरपंच दिनेश पटेल, प्रकाश डामोर, विजेन्द्र मईडा, नारायण दायमा, भूरा लाल कटारा, सोमा पटेल आदि मौजूद रहे।

उदयपुर। उदयपुर की धरा पर भारत की आध्यात्मिक संस्कृति और शक्ति से ओतप्रोत तप,यज्ञ, साधना का अनूठा, विश्व विराट धार्मिक महामहोत्सव का शुभारंभ होत, नगाड़ी, शंख ध्वनि की गूंज के साथ रविवार को हुआ।

कुष्णगिरी पीठाधीश्वर पूज्यपाद जगद्गुरु श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज के सान्निध्य में यह अद्वितीय दुर्लभ महोत्सव 5 जनवरी तक चलेगा। रविवार सुबह शुभारंभ के प्रथम सत्र में साधना की गई। पहले ही दिन साधना पांडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। गुरुदेव ने साधना कक्ष में भगवान गणेश, मां पद्मावती, मां महालक्ष्मी सहित देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। इसके बाद साधना हॉल में जीबू कॉइन, माला, आसन के साथ बैठे श्रद्धालुओं को गुरुदेव ने मंत्र, मंत्रोच्चार, मंत्रों की शक्ति इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। गुरुदेव के श्रीमुख से विभिन्न मंत्रोच्चार के साथ लगभग 2 घंटे तक भक्तों को साधना करवाई गई। समृद्धि, खुशहाली, शांति को आकर्षित करने के लिए यह दुर्लभ साधना प्रतिदिन होगी।

दोपहर में जगद्गुरु श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी की निश्रा में श्री महालक्ष्मी कोटि कुंकुमाचन यज्ञ पूजा विधान का आरंभ श्री गणेश आराधन से किया गया। इस महायज्ञ में 21 हवन कुंडों में काशी के 1३5 विद्वानों के द्वारा

- श्री महालक्ष्मी कोटि कुंकुमार्चन पूजा यज्ञ महामहोत्सव का भव्य श्रीगणेश**
- जगद्गुरु श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज ने साधकों को समझाई मंत्र, साधना की बारीकियां**
- धर्म, अध्यात्म के कुंभ में पहले दिन से जबरदस्त उत्साह**
- यह एकमात्र ऐसा यज्ञ है जिसमें हजारों किलो सभी प्रकार के मेवे, चंदन लकड़ियों, गाय के शुद्ध देसी घी की लाखों आहुतियां प्रतिदिन होंगी।**

गुरुदेव के मार्गदर्शन में विधिपूर्वक आहुतियां दी जा रही हैं। यह एकमात्र ऐसा यज्ञ है जिसमें हजारों किलो सभी प्रकार के मेवे, चंदन लकड़ियों, दुर्लभ जड़ी बूटियों, औषधियों, मिश्रण, गाय के शुद्ध देसी घी की लाखों आहुतियां प्रतिदिन होंगी। यज्ञ में एक करोड़ कुंकुमार्चन से 1०08 समृद्धि कलश सिद्ध किये जा रहे हैं।

यज्ञ करीब 4 घंटे चला, जिसमें श्रद्धालुओं को कई चमत्कारिक अनुभव हुए। जिन्हें श्रद्धालुओं ने सार्वजनिक रूप से साझा भी किया। भारत की प्राचीनतम आध्यात्मिक विरासत के कई दुर्लभ रहस्यों के बारे में भी इस यज्ञ में जानने को मिल रहा है। यज्ञ में गुरुदेव के श्रीमुख से उच्चरित दुर्लभ मंत्र साधकों और दूर खड़े श्रोताओं को मुच कर देते

संस्कारों की शिक्षा का ज्ञान दिया

बांसवाड़ा ।मोहन कॉलोनी-रातीतलार्ई स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर के चौथे दिन शिविार्थियों को आचार्य चन्द्रगुप्त गुरुदेव के सान्निध्य में पूजा विधि के साथ संस्कारों की शिक्षा का ज्ञानदिया गया। इस अवसर पर बालक-बालिकाओं ने गरबा नृत्य भी किया। जैन समाज के अध्यक्ष मुर्मितालाल बोर्रा ने बताया कि शिविर में आचार्य गुरुदेव ने विमल सागर महाराज की जीवनी के बारे में बताया हुए कहा कि महाराज ने जैन शास्त्रों का अध्ययन कर कई की राह पर चल पडे। उन्होंने समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि महाराज की शिक्षाएं हम सभी के लिए अनुकरणीय है। आचार्य गुरुदेव ने भगवान व तीर्थंकर में अन्तर बताया वहीं छः काल के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए किस काल का क्या प्रभाव होता है इसकी जानकारी दी। आचार्य ने शिविरार्थियों को मौजी बंधन संस्कार, बालिकाओं के लिए कुमकुम संस्कार करवाया वहीं बालकों को हटदी, दुध एवं चंदन से स्नान करवाया गया।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर किया ध्वजारोहण

बांसवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिलाध्यक्ष अर्जुनसिंह बामनिया ने पार्टी संगठन का खूब फहराया। इसके पश्चात गोष्ठी में बामनिया ने बताया कि 28 दिसंबर 1885 को कांग्रेस की स्थापना हुई। आजादी से पहले इसका राजनीतिक रूप नहीं था बल्कि इसका उद्देश्य एक जन आंदोलन रहा। आज भी कांग्रेस पार्टी का मकसद राजनीती ना होकर जनसेवा ही है। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि अपनी तुच्छ राजनीतिक आकांक्षा वाले कुछ लोग कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में देश की तरक्की पर सवाल उठाते रहते हैं। ऐसे लोग बात तो राष्ट्रवाद की करते हैं लेकिन वास्तव में देश का नुकसान करते हैं। शैलेंद्र भट्ट ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी देश में गैर-कांठोसी सरकार रही देश को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। एक गुलाम देश को आर्थिक और सामाजिक पिछडेपन से बाहर लाकर तरक्की के इस रास्ते तक लाना इतना आसान नहीं था। पूर्व सभापति राजेश टेलर ने कहा कि कांठोस नेतृत्व को देश जिन विकट परिस्थितियों में सौपा गया था उससे आगे की राह उतनी आसान नहीं थी आजादी के बाद से अब तक लगभग सत्तर वर्षों के कांग्रेस नेतृत्व ने देश को जो कुछ दिया है

- आजादी से पहले इसका राजनीतिक रूप नहीं था बल्कि इसका उद्देश्य एक जन आंदोलन रहा। आज भी कांग्रेस पार्टी का मकसद राजनीती ना होकर जनसेवा ही है।**

उसका ही यह नतीजा है कि दुनिया के मानचित्र पर हमारा एक स्वतंत्र अस्तित्व कायम है। जिला प्रवक्ता एडवोकेट इमरान खान पटान ने बताया कि इस दौरान नवाब फौजदार, धर्मेन्द्र तेली, केशवचंद्र निनामा, रितेश जैन नानी, शैलेंद्र बोर्रा, चंदा डामोर, अरविंद डामोर, आसिफ मुस्ताफा, साजिद नायक, कादिर खान, शामदाद खान, राजेश पटेल, लता निनामा, रफीक मंसूरी, शफीक मंसूरी, मिलन चाहिल, धनेश्वर यादव, सुनील मीणा, शाहिद मंसूरी, कमरुनिसा, पार्थ त्रिवेदी, गौरव पंड्या, अजय मईडा, बुरहान रतलामी, मुन्ना खान, जितेंद्र परिहार, उर्वीश पाठक, मनोज श्रीमाल, सुशील श्रीमाल, कालुराम यादव, रामचंद्र डिंडोर, राजेश मईडा, नरेश जोशी आदि मौजूद रहे।

अरावली की रिचर्ड की सौ मीटर वाली परिभाषा अपूर्ण, अप्रचलित

- संगोष्ठी में आग्रह किया गया कि अरावली के विशेष महत्व को स्थापित करने के लिए शोध अरावली शोध संस्थान की स्थापना की जानी चाहिए**

विनोद अठावाल , भूगोल विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ पी आर व्यास , वर्तमान विभागध्यक्ष प्रो सीमा जालान, विद्या भवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ अनिल मेहता ने कहा कि 1९68 में रिचर्ड मर्फ़ ने जो परिभाषा दी वह वर्ष 1९54 के हेमंड की लैंडफॉर्म क्लासिफिकेशन पर आधारित है । यह ऊंचाई, भूविज्ञानी उम्र तथा क्षरण पर आधारित है । यह अरावली तथा हिमालय जैसी विशिष्ट पर्वतमालाओं के लिए सीधे सीधे प्रयुक्त नहीं की जा सकती। ऐसे में इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। संगोष्ठी में आग्रह किया गया कि अरावली के

आध्यात्मिक, पारिस्थितिकीय, जल विज्ञानीय, भू विज्ञानीय तथा पर्यावरणीय महत्व को स्थापित करने तथा शोध अध्ययन के लिए उदयपुर में अरावली शोध संस्थान की स्थापना की जानी चाहिए। आयोजक प्रकृति रिसर्च संस्थान के अध्यक्ष प्रो पी आर व्यास तथा इंस्टीटयूशन ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया के रिजनल सदस्य , पूर्व अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक सतीश श्रीमाली ने कहा कि ढलान तथा भूसंरचना, भूविज्ञानीय उम्र को छोड केवल ऊंचाई के अप्रचलित मापदंड को जिओ स्पेशियल, रिमोट सेंसिंग , जी आइ एस जैसी आधुनिक तकनीकों के युग में इस्तेमाल करना आश्चर्य पैदा करता है । मुख्य अतिथि पूर्व वरिष्ठ नगर नियोजक बी एस कामावत ने कहा कि रिसॉर्ट व अन्य निर्माणों के लिए पहाड़ियों को काटने से भी अरवली श्रंखला को नुकसान पहुंच रहा है। आहड सभ्यता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अरवली में यह एक जिओ हेरिटेज है ।